vinetur

सितंबर 2026 तक के 12 महीनों में रेड बरगंडी की बिक्री 4.1% घटी

व्हाइट बरगंडी की बिक्री 0.8% बढ़कर 117 मिलियन बोतलों पर पहुंची ; निर्यात और कुछ बाजारों में कीमतों में कटौती से सहारा मिला

रविवार, 22 नवंबर 2026



DRAAF Bourgogne-Franche-Comté और Comité des vins de Bourgogne द्वारा नवंबर में जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2026 तक के 12 महीनों में बरगंडी के वाइन बाजार की रफ्तार धीमी पड़ी। रेड वाइन की बिक्री में स्पष्ट गिरावट आई, जबकि व्हाइट वाइन ने स्थिरता बनाए रखी और स्पार्कलिंग वाइन की बिक्री बढ़ी।

आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में रेड बरगंडी की बिक्री 4.1% घटी। व्हाइट वाइन की बिक्री 0.8% बढ़कर करीब 117 मिलियन बोतलों तक पहुंची, जबकि Crémant de Bourgogne की बिक्री में 7% से अधिक की बढ़ोतरी हुई। रेड और व्हाइट वाइन को मिलाकर स्टिल वाइन की कुल बिक्री 0.7% फिसली।

इस अंतर का असर बरगंडी से आगे भी मायने रखता है, क्योंकि यह क्षेत्र वैश्विक प्रीमियम वाइन कारोबार के सबसे अहम

नामों में से एक है। बरगंडी में रेड, व्हाइट और स्पार्कलिंग वाइन की बिक्री के बीच बढ़ता अंतर व्यापक पेय क्षेत्र में निर्यात रणनीतियों, मूल्य निर्धारण के फैसलों और उत्पादों की बाजार स्थिति को प्रभावित कर सकता है, खासकर उच्च श्रेणी के वाइन बाजारों में।

रेड वाइन की बिक्री में गिरावट उल्लेखनीय है, क्योंकि लंबे समय से माना जाता रहा है कि वाइन की खपत में व्यापक सुस्ती के असर से बरगंडी फ्रांस के कई अन्य वाइन क्षेत्रों की तुलना में अधिक सुरक्षित है। आंकड़े संकेत देते हैं कि सीमित आपूर्ति और मजबूत अंतरराष्ट्रीय मांग से जुड़े इस क्षेत्र में भी अब रेड वाइन के प्रति रुचि कमजोर पड़ रही है। स्रोत आंकड़ों के मुताबिक, यह गिरावट अपीलेशन श्रेणी के कई स्तरों पर दिखी है, जिनमें वे वाइन भी शामिल हैं जिन्हें परंपरागत रूप से संग्राहकों और संपन्न उपभोक्ताओं का पसंदीदा माना जाता रहा है।

यह बदलाव फ्रांस में पीने की आदतों में आए व्यापक परिवर्तन के अनुरूप है। वहां रेड वाइन की लोकप्रियता कई वर्षों से घट रही है, खासकर युवा उपभोक्ताओं के बीच। बाजार के कई हिस्सों में हल्की शैली की वाइन, व्हाइट वाइन और स्पार्कलिंग वाइन का प्रदर्शन दमदार रेड वाइन से बेहतर रहा है। बरगंडी के ताजा बिक्री आंकड़े बताते हैं कि फ्रांस के सबसे अधिक निगरानी में रहने वाले वाइन क्षेत्रों में से एक में ये पसंद अब अधिक स्पष्ट रूप से दिख रही हैं।

व्हाइट बरगंडी ने अधिक मजबूती दिखाई, लेकिन बढ़ोतरी मामूली रही और इसके साथ एक चेतावनी भी जुड़ी है। Comité des vins de Bourgogne ने कहा कि कुछ बाजारों में कीमतों में कटौती से बिक्री की मात्रा को आंशिक सहारा मिला। यानी बोतलों की संख्या में मामूली बढ़ोतरी का मतलब यह जरूरी नहीं कि उत्पादकों का राजस्व भी बढ़ा हो। फ्रांस के घरेलू बाजार में व्हाइट बरगंडी की बिक्री वास्तव में 2.8% घटी ; निर्यात से घरेलू बाजार की कमजोरी की भरपाई करने में मदद मिली।

रिपोर्ट में उद्धृत आंकड़ों के मुताबिक, व्हाइट वाइन की बिक्री को Chablis, Petit Chablis और Mâconnais की क्षेत्रीय वाइनों से सबसे अधिक सहारा मिला। इससे संकेत मिलता है कि ऐसे समय में बरगंडी के अधिक किफायती व्हाइट अपीलेशन मांग का बड़ा हिस्सा संभाल रहे हैं, जब खरीदार कीमतों को लेकर अधिक सतर्क दिख रहे हैं।

Crémant de Bourgogne का प्रदर्शन स्टिल वाइन की श्रेणियों से बेहतर बना रहा। सितंबर 2026 तक के 12 महीनों में इसकी बिक्री 7% से अधिक बढ़ी, जिससे स्पार्कलिंग वाइन की व्यापक मजबूती का रुझान आगे बढ़ा। उत्पादकों और वितरकों के लिए यह अहम है, क्योंकि Crémant प्रीमियम उत्पादों की ओर बढ़ते रुझान और किफायती विकल्प—दोनों के बीच आता है। जब उपभोक्ता पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन चाहते हैं, लेकिन Champagne की कीमतें नहीं देना चाहते, तब इसे फायदा हो सकता है।

अन्य संकेतक ऐसे बाजार की ओर इशारा करते हैं जिसकी रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन जो संकटग्रस्त नहीं है। सितंबर 2026 के अंत में स्टिल वाइन का भंडार एक साल पहले की तुलना में 3% कम था। वहीं, सितंबर 2026 में थोक AOP वाइनों के सौदों में सितंबर 2025 के मुकाबले 68% की भारी गिरावट आई। यह नए विपणन सत्र की शुरुआत में अंगूर उत्पादकों और व्यापारियों के बीच बेहद कमजोर कारोबारी गतिविधि को दर्शाता है।

आपूर्ति भी सिमट रही है। DRAAF के शुरुआती अनुमान के मुताबिक, 2026 की फसल सामान्य संदर्भ स्तर से करीब 30% कम रहने की संभावना है। अगस्त में तहखानों से वाइन की निकासी पिछले पांच वर्षों के औसत से 31.1% कम थी। उत्पादन और उपलब्ध आपूर्ति, दोनों में कमी से यह समझने में मदद मिलती है कि बिक्री में कमजोरी का मतलब अपने आप कीमतों में गिरावट क्यों नहीं होता।

सितंबर 2026 के अंत तक स्टिल वाइन का भंडार करीब 15.3 महीनों की बिक्री के बराबर था। इसे प्रचुर आपूर्ति का संकेत नहीं माना जा सकता, खासकर ऐसे क्षेत्र में जहां कई अपीलेशन का उत्पादन पहले से ही सीमित है। व्यापारियों, आयातकों और रेस्तरां के खरीदारों के लिए इसका मतलब है कि कुछ श्रेणियों की मांग कमजोर पड़ने के बावजूद बरगंडी महंगी और चुनिंदा बनी रह सकती है।

क्षेत्र के भीतर कीमतों में बदलाव भी एकसमान नहीं था। DRAAF ने बताया कि थोक बाजार में Mercurey रेड की कीमत 18% बढ़ी और Irancy में 9% की बढ़ोतरी हुई, जबकि Côte-d'Or के कुछ गांवों के अपीलेशन में उलटा रुझान रहा। Gevrey की थोक कीमतें करीब 15% और Marsannay की करीब 20% घटीं। ये पेशेवर कारोबार की कीमतें हैं, खुदरा दुकानों की शेल्फ कीमतें नहीं ; फिर भी इनसे स्पष्ट है कि बरगंडी को एक ही बाजार मानकर नहीं देखा जा सकता।

अपीलेशन के अनुसार अलग-अलग रुझान आपूर्ति और मांग के अधिक खंडित संतुलन को दर्शाते हैं। ब्रांड की मजबूती, निर्यात पर निर्भरता, विंटेज की परिस्थितियां और अलग-अलग गांवों की प्रतिष्ठा अब भी कीमतों को आकार देती हैं। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए इसका मतलब है कि 'बरगंडी की कीमतों' के बारे में सामान्य दावे करने के बजाय हर श्रेणी का अलग-अलग विश्लेषण करना अधिक उपयोगी होता जा रहा है।

निर्यात अब भी अहम सहारा बना हुआ है। DRAAF ने बताया कि 2026 के पहले आठ महीनों में विदेश भेजी गई खेपों में बढ़ोतरी हुई और कई यूरोपीय देशों में रुझान अनुकूल रहा। यहां भी प्रदर्शन श्रेणी के अनुसार अलग-अलग था। रेड वाइन की तुलना में व्हाइट वाइन और Crémant अधिक मजबूत साबित हुए, जिससे यह रेखांकित होता है कि क्षेत्र को स्थिर रखने में अंतरराष्ट्रीय मांग की भूमिका कितनी बढ़ गई है।

निर्यात पर यह निर्भरता यह समझने में भी मदद करती है कि फ्रांस में खपत कमजोर होने के बावजूद दुकानों में भारी छूट क्यों नहीं दी गई। उत्पादक और négociants ऐसी विभिन्न मंडियों में बिक्री की मात्रा भेज सकते हैं जहां मांग और मूल्य निर्धारण की परिस्थितियां काफी अलग हैं। बरगंडी जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों से गहरे तौर पर जुड़े क्षेत्र में घरेलू बाजार की कमजोरी का मतलब यह जरूरी नहीं कि खुदरा कीमतें तुरंत घटा दी जाएं।

बरगंडी का उत्पादन ढांचा उसे कुछ सुरक्षा देता है। रिपोर्ट में उद्धृत आंकड़ों के मुताबिक, क्षेत्र के कुल उत्पादन में व्हाइट वाइन का हिस्सा करीब 61% है। ऐसे समय में यह एक फायदा है, जब व्हाइट और स्पार्कलिंग वाइन, रेड वाइन की तुलना में अधिक मजबूत बनी हुई हैं। फिर भी ताजा आंकड़े दिखाते हैं कि बरगंडी वाइन कारोबार के बाकी हिस्सों को प्रभावित करने वाले दबावों से अछूता नहीं है : उपभोक्ताओं की बदलती पसंद, घरेलू खपत में कमजोरी, सीमित फसल और श्रेणियों तथा अपीलेशन के बीच कीमतों में बढ़ती असमानता।